खबर संक्षेप

30 दिसंबर को प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन

शहडोल। सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद साहब जी का प्रकाश पर्व शहडोल में 6 जनवरी 26 को मनाया जाएगा । प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन शोभायात्रा 30 दिसंबर 25 को निकाली जाएगी। नगर कीर्तन के लिए पंजाब के लुधियाना से विशेष तौर पर दलेर खालसा गतका पार्टी आ रही है। जो कि नगर के विभिन्न चौराहों पर नगर कीर्तन के दौरान गतका का प्रदर्शन करेगी। नगर कीर्तन दोपहर 12 बजे गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहडोल से प्रारंभ होगा। नगर कीर्तन घरौला मोहल्ला,कमिश्नर निवास,नर्मदा गैस एजेंसी,जेल बिल्डिंग के सामने , पुराना नगर पालिका चौक, गांधी चौक, बुढार चौक,लल्लू सिंह चौक से वापस बुढार चौक,कांग्रेस भवन के बाजू से होते हुए शाम 6 बजे गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा घरौला मोहल्ला में समाप्त होगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह ने शहडोल नगर के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि श्री गुरु गोबिंद साहिब के प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन में शामिल होकर गुरु की खुशियां प्राप्त करें।

90 प्रतिशत से कम रिजल्ट आया तो खैर नहीं: सीईओ

शहडोल। आगामी बोर्ड परीक्षाओं में जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रशासन ने अब मिशन मोड में काम शुरू कर दिया है। जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने कड़े लहजे में प्राचार्यों को हिदायत दी है कि इस बार न केवल परीक्षा परिणाम सुधारने होंगे, बल्कि गुणवत्ता में भी कोई समझौता नहीं चलेगा। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जो प्राचार्य और शिक्षक लापरवाह मिलेंगे, उन पर कार्रवाई तय है। सीईओ शिवम प्रजापति ने निर्देश दिए हैं कि छात्रों को अब रटंत विद्या के बजाय परीक्षा पैटर्न के सटीक अभ्यास पर जोर दिया जाए। इसके लिए जिले के विषय विशेषज्ञों का एक कोर ग्रुप बनाया गया है, जो कठिन विषयों के छोटे-छोटे वीडियो तैयार कर रहा है। ये वीडियो स्मार्ट क्लास और मोबाइल के जरिए छात्रों तक पहुंचेंगे। साथ ही, राज्य और जिला स्तर से मॉडल पेपर उपलब्ध कराकर नियमित टेस्ट लिए जाएंगे ताकि छात्र परीक्षा के दबाव को पहले ही झेल सकें। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा ने प्राचार्यों को 90 प्रतिशत रिजल्ट का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य थमाया है। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में छात्र किसी खास विषय में कमजोर हैं, वहां बाहर से विशेषज्ञ शिक्षक भेजे जाएंगे। नवाचार के तहत जिले के 40 स्कूलों से कठिन विषयों की उत्तर पुस्तिकाएं मंगवाकर वरिष्ठ अधिकारी खुद उनकी जांच करेंगे। आकलन के बाद जो कमियां मिलेंगी, उन्हें दूर करने के लिए विशेष क्लास लगाई जाएगी।

धोखेबाज पटवारी: 'ग्रामीण' दर्शा बचा रहे करोड़ों का टैक्स

कारोबारी के फेर में नपेंगे पटवारी और तहसीलदार

मुआवजे के रूप में करोड़ों रूपये लेने वाले कारोबारी ने टीएनसीपी में लगने वाले साढ़े 7 प्रतिशत टैक्स से बचाव के लिए राजस्व दस्तावेजों में छेड़छाड़ तो करवा दी, लेकिन अब ग्रामीण शब्द पटवारी से लेकर आरआई व तहसीलदार तक की गले की फांस बन चुका है। कलेक्टर ने 4 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है और इधर टीएनसीपी के जिम्मेदार फाईल को रिजेक्ट करने की बात कह रहे है, इन सबके बीच कूटरचना करने वाले धोखेबाज नौकरशाह पर आपराधिक मामला कायम करने की चर्चा जोरो पर है।

जांच प्रतिवेदन में कूटरचना कर जोड़ दिया था ग्रामीण

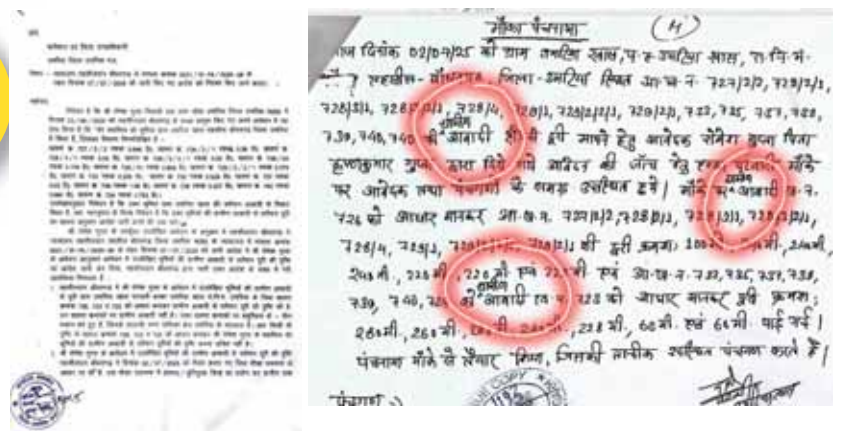

उमरिया।

पटवारी से लेकर आरआई और तहसील में बैठे जिम्मेदार जिस विभाग से वेतन लेकर अपना पेट भर रहे हैं, चंद टुकड़ों की लालच में अपने ही विभाग और मध्यप्रदेश सरकार को करोड़ों का चूना लगवाने में भी पीछे नहीं रहे। उमरिया मुख्यालय का यह सनसनीखेज मामला धीरे-धीरे तूल पकड़ता जा रहा है और इस मामले में तहसीलदार से लेकर अंतिम पंक्ति पर बैठे पटवारी तक कार्यवाही की जद में आते नजर आ रहे हैं, एक तरफ वर्षो पहले मुआवजे के खेल में सोमेश गुप्ता को राजस्व की रिपोर्ट पर ही करोड़ों का मुआवजा मिला और अब उसी विभाग की कूटरचित जांच प्रतिवेदन ने भू-स्वामी सहित राजस्व कर्मियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है, आरोप है कि ग्राम तथा नगर निवेश से मिलने वाली मंजूरी की कार्यवाही के दौरान लगने वाला 7.5 प्रतिशत टैक्स बचाने के फेर में उमरिया नगर पालिका से सटे भू-खण्ड जो शहरी आबादी अंतर्गत आता है, उसे दस्तावेजों में कूटरचना कर ग्रामीण शब्द जोड़ते हुए 7.5 प्रतिशत टैक्स बचाने का जुगाड़ तो कर लिया गया था, लेकिन अब शिकायत के बाद जब दस्तावेज सामने आये हैं तो, पटवारी से लेकर ऊपर तक के राजस्व अधिकारी ग्रामीण शब्द से पल्ला झाड़ रहे हैं। बहरहाल इस मामले में दस्तावेजी प्रमाण होने के कारण आने वाले दिनों में पटवारी सहित अन्य के ऊपर कूटरचना व शासकीय दस्तावेजों से छेड़छाड़ का आपराधिक मामला थाने या कोर्ट के आदेश से दर्ज होना तय नजर आ रहा है।

रसूख और राजस्व की जुगलबंदी

जिले में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका ताजा उदाहरण उमरिया नगर में देखने को मिल रहा है। यहां एक रसूखदार सेठ ने सरकारी खजाने में सेंध लगाने के लिए ऐसा चक्रव्यूह रचा है, जिसमें शासन को करोड़ों रुपए के स्टांप शुल्क का चूना लगाने की तैयारी है। मामला शहरी बेशकीमती जमीन को कागजों में ग्रामीण भूमि दिखाकर उसका लैंडयूज (भू-उपयोग) परिवर्तित कराने का है। इस खेल में राजस्व विभाग के जमीनी अमले से लेकर उच्चाधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है।

षड्यंत्र का ब्लूप्रिंट

शिकायत के अनुसार पटवारी हल्का उमरिया खास के खसरा नंबर 726, 722 और 723 को आधार बनाकर आसपास की दर्जनों जमीनों (खसरा नंबर 727/2/2, 728, 729, 733, 735, 737, 738, 740 आदि) को ग्रामीण आबादी घोषित कर दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा क्षेत्र नगर पालिका सीमा के अंतर्गत आता है और पूरी तरह शहरी है। तहसीलदार बांधवगढ़ द्वारा दी गई ग्रामीण आबादी की पुष्टि ने इस षड्यंत्र को सरकारी मोहर दे दी है। मौके पर महज दो-तीन मकान होने के बावजूद इसे ग्रामीण क्षेत्र बताना प्रशासनिक मिलीभगत का जीता-जागता प्रमाण है।

पंचनामे में जालसाजी

इस घोटाले की सबसे कमजोर और संदिग्ध कड़ी वह मौका पंचनामा है, जिसे तहसीलदार के समक्ष पेश किया गया। सूत्रों की मानें तो पंचनामे में ग्रामीण शब्द अलग से ओवरराइटिंग कर जोड़ा गया है, जो चीख-चीख कर जालसाजी की गवाही दे रहा है। इतना ही नहीं, पंचनामे में हस्ताक्षर करने वाले गवाह न तो उस क्षेत्र के निवासी हैं और न ही उन्हें जमीन की भौगोलिक स्थिति का ज्ञान है। आखिर किसके दबाव में ये फर्जी हस्ताक्षर कराए गए और किसने सरकारी दस्तावेजों पर स्याही फेरकर शहर को गांव बना दिया? यह जांच का सबसे बड़ा बिंदु है।

शहरी दर पर लिया मुआवजा

सेठ की चालाकी और दोहरे मापदंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जब पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (एनएच-43) का निर्माण हुआ था, तब इसी खसरा नंबर 727/2/2 की जमीन को नगर पालिका के शहरी क्षेत्र (खलेसर) में दिखाकर करोड़ों रुपए का भारी-भरकम मुआवजा डकारा गया था। अब, जब उसी जमीन से सटी अन्य भूमियों का लैंडयूज बदलवाकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से लाभ लेना है, तो वही जमीन अचानक ग्रामीण हो गई। सवाल यह है कि एक ही खसरा नंबर मुआवजे के वक्त शहरी और टैक्स बचाने के वक्त ग्रामीण कैसे हो सकता है?

सरकारी खजाने पर सीधी डकैती

यदि यह साजिश कामयाब होती है, तो शासन को मिलने वाले स्टांप शुल्क में करोड़ों रुपए की हानि होगी। शहरी क्षेत्र की भूमि का लैंडयूज परिवर्तन और रजिस्ट्री शुल्क ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक होता है। दस्तावेजों में कूटनीति और फर्जीवाड़ा कर भू-स्वामी द्वारा सीधे तौर पर राजकोष में डकैती डालने की फिराक है।

पटवारी की रहस्यमयी चुप्पी

जब इस संबंध में हल्का पटवारी से सवाल किए गए, तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उन्हें ओवरराइटिंग की जानकारी नहीं है। हालांकि, उनका यह बयान कि जो भी त्रुटि हुई है वह वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञात है और फोन पर जानकारी नहीं दे सकता अपने आप में कई राज खोल रहा है। यह बयान स्पष्ट संकेत दे रहा है कि भ्रष्टाचार की यह पटकथा ऊपर से लिखी गई है। इस पूरे सुनियोजित भ्रष्टाचार की बिंदुवार शिकायत जिला कलेक्टर से की गई है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कराई जाए और भौतिक सत्यापन किया जाए कि उक्त जमीनें नगर पालिका क्षेत्र में आती हैं या नहीं।

इनका कहना है...

कलेक्टर ने इस मामले में चार सदस्यीय जांच कमेटी बनाई है, एक-दो दिनों में कमेटी रिपोर्ट सौंप सकती है, उसके बाद जांच प्रतिवेदन में ग्रामीण शब्द का उल्लेख किसने किया, क्या सही है और किन पर आपराधिक मामले दर्ज होंगे, यह स्पष्ट हो पायेगा।

के.आर. नीरज
एसडीएम
बांधवगढ़

पति ने पत्नी को लाठी-डंडों से पीटकर किया खत्म

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना अंतर्गत बरहा गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। महज खाना न बनाने की बात पर हुए विवाद में एक पति ने अपनी पत्नी की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी की नाबालिग बेटी अपनी मां की जान बख्शने की भीख मांगती रही, लेकिन पिता का दिल नहीं पसीजा।

हत्या को हादसे का रूप देने के शातिर इरादे से आरोपी दिनेश सिंह गौड़ खुद थाने पहुंचा। उसने पुलिस को गुमराह करते हुए बताया कि उसकी पत्नी शांति बाई उम्र 35 वर्ष की बीमारी के कारण मौत हो गई है। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस को मृतका के शरीर पर मिले गहरे घावों ने पूरी कहानी संदिग्ध कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने आरोपी के झूठ की धज्जियां उड़ा दीं, जिसमें मौत का कारण बीमारी नहीं, बल्कि बेरहमी से की गई मारपीट पाई गई। पुलिसिया पूछताछ और चश्मदीद नाबालिग बेटी के बयान ने दरिंदगी की परतें खोल दीं। बेटी ने बताया कि वह चिल्लाती रही, पापा, मां मर जाएगी, मत मारो, लेकिन दिनेश तब तक नहीं रुका जब तक शांति की सांसें नहीं थम गईं। हत्या के बाद आरोपी ने बेटी को जान से मारने की धमकी देकर चुप करा दिया था। गोहपारू पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया है। यह घटना समाज के उस काले सच को उजागर करती है, जहां घरेलू हिंसा और क्षणिक आवेश ने एक हंसते-खेलते परिवार को तबाह कर दिया।

यमराज के द्वार से लौटा सचिन, फरिश्तों ने 15 मिनट में फूंक दी नई जिंदगी

डॉक्टर और स्टाफ ने मौत को दी मात, हार गया काल और जीत गई ममता

भीषण ठंड में घंटों बेसुध रहने से बंद हो गई थी पल्स

शहडोल। मौत और जिंदगी के बीच की जंग में जब विज्ञान और संवेदनाएं हाथ मिला लेती हैं, तो इतिहास रचा जाता है। जिला अस्पताल में एक ऐसा ही हैरतअंगेज मामला सामने आया है, जिसे देख खुद डॉक्टर भी दंग हैं। कडक़ड़ाती ठंड में घंटों बेहोश पड़े रहने के कारण जिस युवक की सांसें और धडक़नें पूरी तरह बंद हो चुकी थीं, उसे अस्पताल के फरिश्तों ने महज 15 मिनट के अथक प्रयास से फिर से जिंदा कर दिया।

घटना वार्ड नंबर 29 की है, जहां 18 वर्षीय सचिन यादव की तबीयत बिगडऩे पर उसका दोस्त उसे घर छोडऩे निकला, लेकिन बेरहमी दिखाते हुए उसे बीच रास्ते में ही बेसहारा छोड़ गया। भीषण ठंड में सचिन घंटों खुले आसमान के नीचे बेसुध पड़ा रहा। जब पड़ोस की एक बुजुर्ग महिला ने उसे देखा, तब जाकर बदहवास मां गीता यादव उसे जिला अस्पताल लेकर दौड़ीं।

अस्पताल पहुंचते ही जब ड्यूटी डॉक्टरों ने सचिन की जांच की, तो सन्नाटा पसर गया। सचिन की पल्स (नाड़ी) गायब थी, बीपी रिकॉर्ड नहीं हो रहा था और फेफड़ों ने सांस लेना बंद कर दिया था। चिकित्सकीय भाषा में वह डेड घोषित होने की कगार पर था, लेकिन शरीर की हल्की गर्माहट ने डॉक्टरों को उम्मीद की एक आखिरी किरण दिखाई। आरएमओ डॉ. पुनीत श्रीवास्तव के निर्देशन में स्टाफ नर्स सुमित और लक्ष्मीनारायण ने बिना वक्त गंवाए मोर्चा संभाला। लगातार 15 मिनट तक सचिन की छाती को पंप किया गया और ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। अचानक, मशीनों पर धडक़नों ने दस्तक दी और सचिन ने सांस ली। यह देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

डॉ. गौरव त्रिपाठी ने बताया कि ऐसे मामले मिरेकल से कम नहीं होते। बेटे को दोबारा जीवित देख मां गीता यादव डॉक्टरों के पैरों में गिर पड़ीं। डॉ. पुनीत श्रीवास्तव के अनुसार हजारों में एकाध बार ही विज्ञान ऐसी वापसी देखता है। फिलहाल सचिन पूरी तरह स्वस्थ है। जिला अस्पताल की इस मुस्तैदी ने साबित कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो यमराज के द्वार से भी जीवन को वापस लाया जा सकता है।

जन-जन तक पहुंचाएंगे बलिदानों का इतिहास, कार्यकर्ताओं ने लिया पार्टी को मजबूत करने का संकल्प

शहडोल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर सोहागपुर ब्लॉक में युवा कांग्रेस ने अपनी एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के निर्देश और जिला अध्यक्ष अनुपम गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने हुंकार भरी कि वे पार्टी की गौरवशाली विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएंगे।

ब्लॉक अध्यक्ष प्रियांशु चौबे सोनू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने आम नागरिकों का मुंह मीठा कराया और कांग्रेस के संघर्षपूर्ण इतिहास को याद किया। इस मौके पर प्रियांशु चौबे ने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाने से लेकर लोकतंत्र की नींव रखने तक अपना लहू बहाया है, उसकी विचारधारा ही देश की असली ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे चट्टान की तरह एकजुट होकर पार्टी को सशक्त बनाएं।

विधानसभा अध्यक्ष शेख शाहिल सनी ने कहा कि वर्तमान दौर में कांग्रेस की सोच ही देश को एकजुट रख सकती है। कार्यक्रम में दीपांशु चतुर्वेदी, अनुज, मुकेश, दिव्यांशु और कृष्णा सहित भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे न केवल पार्टी की साख बचाएंगे, बल्कि आगामी चुनौतियों के लिए जनता के बीच जाकर संघर्ष करेंगे।

सरेराह मौत का इंजेक्शन, पुलिस मौन

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर का कोयलारी खोली मोहल्ला इन दिनों अपराध और नशाखोरी का अड्डा बन चुका है। पुलिस की गश्त सिर्फ कागजों तक सीमित है, जिसका फायदा उठाकर नशेडिय़ों ने आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। ताजा मामला वार्ड नंबर 12 का है, जहां सिराज खान के घर से बीती रात चोरों ने मोटर पंप पार कर दिया।

पीड़ित सिराज खान जब सुबह अपने चोरी हुए पंप की तलाश में निकले, तो घर के पीछे का नजारा देख दंग रह गए। वहां कुछ युवक बेखौफ होकर हाथों में नशीले इंजेक्शन लगा रहे थे। जब पीड़ित ने विरोध किया, तो इन नशेडिय़ों ने उसे ही आंखें दिखाईं। हद तो तब हो गई जब पीड़ित नशा करते युवकों का वीडियो लेकर कोतवाली पहुंचा, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने आवेदन तो लिया पर पावती तक देना मुनासिब नहीं समझा।

स्थानीय निवासियों का सीधा आरोप है कि दिनभर खुलेआम चलने वाली नशाखोरी ही रात में चोरी की वारदातों की जननी है। पुलिस की गैर-मौजूदगी ने अपराधियों के हौसले इतने बुलंद कर दिए हैं कि वे अब मोहल्ले के भीतर ही नशीली सीरिंज का खेल-खेल रहे हैं। यदि समय रहते पुलिस ने इन इंजेक्शन गैंग और चोरों पर शिकंजा नहीं कसा, तो क्षेत्र में बड़ी वारदात से इनकार नहीं किया जा सकता।

खेल से विकसित होता है नेतृत्व और अनुशासनः तिवारी

जयसिंहनगर में 13 वें क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

जयसिंहनगर

स्थानीय संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मैदान में 27 दिसंबर से 13वें क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। इस खेल महाकुंभ का उद्घाटन मुख्य अतिथि एडीजे दीपनारायण तिवारी द्वारा किया गया। खिलाडिय़ों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा

आयोजन समिति के उपाध्यक्ष सती प्रसाद तिवारी, रामनारायण पांडेय और राजेश द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलती है और क्षेत्र में खेल प्रतिभाएं निखरती हैं। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चक्रधारी शुक्ला, उपाध्यक्ष संपत मिश्रा, अंत्योदय समिति अध्यक्ष निर्मल द्विवेदी और सेवानिवृत्त प्राचार्य सनत पांडेय सहित कई गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी मौजूद रहे। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया और टूर्नामेंट के सफल आयोजन की कामना की गई।

देश को परमाणु शक्ति बनाना हमारा गौरवपूर्ण इतिहासः अवस्थी

141वें स्थापना दिवस पर जिला कांग्रेस ने दिखाई एकजुटता

शहडोल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव में ध्वजारोहण के साथ कांग्रेस की उस ऐतिहासिक यात्रा को याद किया गया, जिसने बदहाल और बिखरे हुए भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र में बदल दिया।

जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि 1947 में जब अंग्रेजों ने देश छोड़ा, तब भारत में एक सुई तक नहीं बनती थी। बिजली मात्र 50 गांवों में थी और पूरा देश रियासतों में बंटा हुआ था। कांग्रेस ने न केवल आजादी की लड़ाई लड़ी, बल्कि शून्य से शिखर तक का सफर तय किया। उन्होंने गर्व से कहा कि आज जो हजारों टैंक, विमान, परमाणु शक्ति, आईआईटी, एम्स और बैंकों का जाल दिख रहा है, वह कांग्रेस की दशकों की तपस्या और विजन का परिणाम है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने तथ्यों के साथ कांग्रेस के योगदान को रेखांकित किया। मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने जानकारी दी कि आजादी के समय देश में मात्र 20 यूनिवर्सिटी और 404 कॉलेज थे, जिन्हें कांग्रेस के शासनकाल में बढ़ाकर हजारों की संख्या तक पहुंचाया गया। चिकित्सा के क्षेत्र में 10 मेडिकल कॉलेज से शुरू हुआ सफर आज 500 के पार पहुंच चुका है। वक्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों और निजी बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसे साहसी फैसलों ने ही भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, आजाद बहादुर सिंह, कुलदीप निगम, रविंद्र तिवारी और अनुपम गौतम सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे कांग्रेस की इस गौरवशाली विरासत और विचारधारा को हर घर तक पहुंचाएंगे। इस दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने की शपथ ली गई।

व्यापारी संघ का आक्रोश फूटा, कलेक्टर से करेंगे मुलाकात

शहडोल। शहर के इंदिरा गांधी चौक से बस स्टैंड तक होने वाले सडक़ चौड़ीकरण ने नगर पालिका और व्यापारियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा पट्टे की वैधानिक जमीनों को भी अतिक्रमण बताकर नोटिस थमाए जाने के बाद व्यापारी संघ का आक्रोश फूट पड़ा है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर होटल अनमोल पैलेस में व्यापारी संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता और उपाध्यक्ष मनोज सराफ के नेतृत्व में हुई इस बैठक में व्यापारियों ने साफ कहा कि वे शहर के विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर निजी स्वामित्व वाली पट्टे की जमीनों को अतिक्रमण बताना सरासर अन्याय है। व्यापारियों का आरोप है कि नगर पालिका बिना उचित सीमांकन और दस्तावेजों की जांच किए मनमाने ढंग से नोटिस जारी कर रही है, जिससे सैकड़ों व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। बैठक में उपस्थित अनिल रोहरा, काकू जी, रामावतार गुप्ता और अमित बजाज सहित अन्य दिग्गज व्यापारियों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि इस तानाशाही के खिलाफ जल्द ही कलेक्टर से मिलकर आपत्ति दर्ज कराई जाएगी। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि नगर पालिका ने अपने दस्तावेजों में सुधार नहीं किया और पट्टे की जमीन पर बुलडोजर चलाने की कोशिश की, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। व्यापारी संघ ने मांग की है कि प्रशासन पहले राजस्व रिकॉर्ड का मिलान करे और उसके बाद ही कोई कार्रवाई आगे बढ़ाए। इस बैठक ने स्पष्ट कर दिया है कि व्यापारी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं।

खबर संक्षेप

आज जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक

उमरिया 28 दिसम्बर। बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना कि जिला स्तरीय टास्ट फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में 29 दिसंबर को समय सीमा की बैठक पश्चात आहूत की गई है।बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

व्दारका सोमनाथ के लिए स्पेशल ट्रेन 21 जनवरी को होगी रवाना

उमरिया। प्रभारी एसडीएम कमलेश नीरज ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 21 जनवरी को व्दारका सोमनाथ यात्रा हेतु स्पेशल ट्रेन रवाना होगी । जिसके लिए 179 सीट आवंटित की गई है । यात्रा हेतु आवेदन 7 जनवरी तक किए जा सकते है । उन्होने बताया कि ऐसे आवेदक जिनकी उम्र 60 वर्ष या अधिक है इस योजना के पात्र है, जबकि महिलाओं के मामले मे आयु सीमा में दो वर्ष की छूट है एवं 65 वर्ष आयु से अधिक आयु के व्यक्तियों को साथ में एक सहायक ले जाने की पात्रता है, ऐसे आवेदन पत्र में सहायक का नाम आवेदक के आवेदन पत्र मे ही सहायक का उल्लेख कराया जाये व आवेदक के नाम के सामने एक्सल सीट पर सहायक का नाम अंकित करे, प्राप्त आवेदन पत्रो का ऑफलाईन एण्ट्री निर्धारित प्रारूप मे कराते हुए प्राप्त आवेदन पत्रो की हार्ड/सॉफ्ट कॉपी सत्यापन करते हुए द्वारका-सोमनाथ के लिए 7 जनवरी तक इस कार्यालय को अनिवार्यतः उपलब्ध करावे।

कोल इंडिया का मैनपावर घट कर हुआ 2 लाख 14 हजार 909

हरिभूमि न्यूज राजनगर। कोल इंडिया द्वारा जारी नवंबर 2025 की मैनपावर रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के कुल मैन पॉवर में लगातार कमी दर्ज की गयी है। 1 दिसंबर तक कोल इंडिया का कुल मैनपावर घटकर 2,14,909 रह गया है। अक्टूबर 2025 की तुलना में नवंबर माह में 598 कर्मियों की शुद्ध कमी दर्ज की गयी, जबकि बीते आठ महीनों में कुल 5,363 पद कम हुए हैं। कोल इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में एसईसीएल में 36,712, सीसीएल में कुल 32,560, बीसीसीएल में 31,105 और इसीएल में 45,453 कर्मचारी कार्यरत हैं। चारों कंपनियों में अधिकांश मैनपावर गैर-कार्यकारी श्रेणी का है। अधिकारियों की संख्या अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। महिला मैनपावर की स्थिति पर नजर डालें तो बीसीसीएल में 2,713, इसीएल में 3,706 और सीसीएल में 3,542 है। कुल मैनपावर की तुलना में महिला कर्मियों की हिस्सेदारी अभी भी सीमित बनी हुई है।

रक्तदान शिविर में 53 यूनिट रक्त किया गया संग्रह

उमरिया। बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मानपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं के उत्साहपूर्ण सहयोग से कुल 53 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वी. एस. चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने गोद लिए गए बच्चे के घर पहुंचकर जाना हाल चाल

बच्चे को एनआरसी में भर्ती कराने की कलेक्टर ने की अपील

उमरिया।

कुपोषण दूर करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण मुक्त जिला बनाने एवं जन जागरूकता लाने हेतु नवाचार किए जा रहे हैं।

नवाचार अंतर्गत कुपोषित बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार लाने हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियो ने उन्हें गोद लिया है, और बच्चो एवं उनके माता पिता को पोषण संबंधी समझाईश दे रहे हैं। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने विकास खंड करकेली के ग्राम चंदवार में गोद लिए गए बच्चे नैतिक बर्मन के घर पहुँच कर परिजनों से उसका हाल चाल जाना। निरीक्षण के दौरान बताया कि बच्चे नैतिक की उम्र 1 साल 4 माह है , पहले बच्चे का वजन 6 किलो 600 ग्राम था , वर्तमान में बच्चे का वजन 7 किलो 600 ग्राम हो गया है ।

कलेक्टर ने बच्चे को मल्टी विटामिन दवाइयों की किट देते हुए उनके परिवार जनों से कहा कि बच्चे के स्वास्थ्य के सुधार के लिये आवश्यक है कि उसे जिला चिकित्सालय उमरिया के एन आर सी में भर्ती कराए ,जहाँ पर 14 दिनों तक बच्चे को पूरी डाईट उपलब्ध कराई जाएगी, तथा उसके बाद फॉलोअप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो मल्टी विटामिन दवाई उपलब्ध कराई गई है, उसे डोज अनुसार बच्चे को दवाई दे, ताकि उसके स्वास्थ्य में जल्दी सुधार हो सके। इसके साथ ही बच्चे को पौष्टिक चीजें जिसमे गुड़ की चिक्की, लाई, चना, मुनगा पाउडर, तिल की चिक्की आदि चीजे दी गई ,प जिसका सेवन कराने की बात कही गई ।

निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास दिव्या गुप्ता सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसान 31 दिसंबर तक अपनी फसल का करा सकते हैं बीमा

उमरिया।

उप संचालक कृषि ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत रबी फसलों के लिए बीमा पंजीकरण की शुरूआत की गई है। रबी 2025-26 में फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 नियत है। कृषक उक्त तिथि के पूर्व अपने पटवारी हल्का की अधिसूचित फसलों का बीमा करवा सकते है। रबी मौसम में सभी अनाज, दलहन, तिलहन फसलों हेतु बीमित राशि का मात्र अधिकतम 1.5 प्रतिशत प्रीमियम कृषक भाईयों द्वारा देय है। शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

योजना के प्रावधानरू अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलें उगाने वाले बटाईदारों और काश्तदारों सहित सभी किसान अपनी फसलों का बीमा कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र हैं। योजना सभी कृषकों हेतु स्वैच्छिक की गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषकों की फसलों का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा।

अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलो का बीमा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले की समस्त सहकारी समितियों, प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित कॉमन सर्विस सेन्टर, जिले के समस्त बैंक,ण्चउइलिण्हवअण्पद ।प्ब पोर्टल,ण्चउइलिण्हवअण्पद ।प्ब प्रतिनिधि एवं उर्वरक नगद विक्रय केन्द्र के माध्यम से एवं स्वयं कृषक फसल बीमा पोर्टल पर जाकर पंजीयन करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक करवा सकते है।

उन्होने बताया कि अऋणी कृषकों हेतु भू-अधिकार पुस्तिका की छायाप्रति , पहचान पत्र आधार कार्ड, बैंक पास बुक की छायाप्रति, बुआई प्रमाण पत्र की प्रति (कृषि विस्तार अधिकारी, सरपंच/सचिव द्वारा सत्यापित, मोबाईल नंबर आवश्यक दस्तावेज है। केसीसी ऋणी कृषक गत वर्ष से अपनी फसल परिवर्तन की सूचना 29 दिसंबर तक बैंक को दे सकता है अधिक जानकारी के लिये किसान भाई कृषि रक्षक पोर्टल/हेल्पलाईन 14447 पर संपर्क कर सकते है।

जल संरक्षण के लिए समुदाय ने बढ़ाए अपने हाथ

उमरिया।

ग्राम पंचायत घोघरी अंतर्गत घोघरी और बहरवाह के बीच से बहने वाली मछड़ार नदी में ग्राम घोघरी के लगभग 120 आदिवासियों ने श्रमदान करके 3 दिनों में 500 बोरियों का बोरी बंधान कार्य किया । साथ ही घाट में रास्ते का जीर्णोद्धार का काम किया है। मछड़ार नदी में बोरी बंधान से आसपास के गांव के मवेशियों को गर्मी के दिनों में भी पीने का पानी मिल सकेगा। नदी से लगे हुए किसानों को भी सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकेगा, जिससे लगभग 100 हेक्टेयर की सिंचाई हो सकेगी। जेनिथ यूथ फाउंडेशन के सचिव वीरेंद्र गौतम ने बताया कि गूंज संस्था के सहयोग से संस्था द्वारा घोघरी गांव में 200, बारौदा में 200 परिवारों को निशुल्क किट का वितरण किया गया है, जिसमें कंबल गलीचा , चप्पल, गर्म कपड़े, दरी , चादर और घरेलू उपयोगी वस्तुएं हैं । उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआत में घोघरी ग्राम पंचायत अंतर्गत पांच गांव में जल संवद्र्धन कार्य, किचन गार्डन आदि के कार्य जन सहयोग और श्रमदान से हो रहे हैं।निकट भविष्य में करकेली ब्लाक के प्रत्येक गांव में संस्था के द्वारा क्लॉथ फॉर वर्क का काम प्रस्तावित है।

सैलानी हो रहे उमरिया के स्वाद, संस्कृति एवं प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू

होम स्टे में सैलानियों को घर जैसा मिल रहा वातावरण

उमरिया।

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी मकान मालिकों के लिए योजनाएं शुरू की हैं जो अपने घर का एक हिस्सा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए आवास के रूप में देना चाहते हैं। ये अनूठी और लाभदायक योजना संपत्ति मालिकों को पर्यटकों को भारत के हृदय की समृद्ध संस्कृति, खानपान, रीति-रिवाजों और जीवनशैली से परिचित कराने में सक्षम बना रही है। साथ ही ये योजना संपत्ति मालिकों के लिए नियमित आय का स्रोत और रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है। मध्य प्रदेश के शहरों,गांवों और पर्यटकों की रुचि के निकट स्थित स्थानों में उपलब्ध पर्यटक आवासों को पूरक बनाने के लिए,मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने होम स्टे योजना प्रारंभ की है जिसका क्रियान्वयन आईजीएस व्दारा किया जा रहा है ।

आईजीएस के क्लस्टर कार्डिनेटर सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम रंछा में 6 होम स्टे है, जिसमे वर्तमान में पांच प्रारंभ हो गए है । उन्होंने बताया कि ग्राम रंछा स्थित वनराज होम स्टे सावित्री चंद्रिका सिंह द्वारा संचालित किया जा रहा है , जिनके द्वारा अभी तक 2 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की जा चुकी है। टाईगर मूवमेन्ट होम स्टे धर्मेंद्र यादव द्वारा संचालित किया जा रहा है, फ़ूड आदि गतिविधियों से 6500 रूपये की आय अर्जित की जा चुकी है। टाइगर फुट प्रिंट होम स्टे सुंदर लाल यादव द्वारा संचालित किया जा रहा है, फ़ूड आदि गतिविधियों से 4500 रुपये की आय अर्जित की जा चुकी है। विलेज लाइफ होम स्टे छोटे लाल यादव द्वारा संचालित किया जा रहा है तथा टेम्पल व्यू होम स्टे,छोटे सिंह का निर्माणाधीन हैं ।

रंछा में टाईगर मूमेंट होम स्टे एवं टाईगर फुट प्रिंट होम स्टे मे आने वाले देशी विदेशी सैलानियों को घर जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है । टाईगर मूवमेंट होम स्टे के संचालक धमेन्द्र यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की मदद से यह होम स्टे तैयार किया गया है , जिसमें एक कमरा बना हुआ है कमरे में डबल बेड की सुविधा है । इसके साथ ही होम स्टे के पास सब्जी भी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि सैलानियो को घर जैसा खाना परोसा जाता है,तथा यहां की संस्कृति से अवगत कराया जाता है। होम स्टे के संचालन में पूरा परिवार मदद करता है । उन्होने बताया कि होम स्टे तैयार करने में एक लाख रूपये की प्रथम किश्त प्राप्त हो चुकी है। उन्होने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस अनूठी पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है ।

अंधेरे में कैसे जाएंगे यात्री सनराइज प्वाइंट सोनमुड़ा

प्रमुख पर्यटन स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था का अभाव, सुरक्षा पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन स्थल अमरकंटक में नववर्ष एवं शीतकालीन अवकाश के चलते पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या दिन-प्रतिदिन लगातार बढ़ती जा रही है। माँ नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में इन दिनों हजारों की संख्या में देश-प्रदेश से श्रद्धालु एवं सैलानी पहुंच रहे हैं, लेकिन सुविधाओं की कमी अब गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। अमरकंटक के प्रमुख दर्शनीय स्थलों सोनमूड़ा (सोनमुड़ा), माई की बगिया, कपिलधारा, दूधधारा सहित कई पर्यटन क्षेत्रों में शाम होते ही घोर अंधेरा छा जाता है। इन मार्गों पर न तो पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था है और न ही कोई वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था, जिससे पर्यटकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से सोनमुड़ा सनराइज प्वाइंट, जहां हाल ही में ग्लास ब्रिज का निर्माण किया गया है, नववर्ष के अवसर पर अत्यधिक भीड़ की संभावना है। हर वर्ष की तरह इस बार भी सैकड़ों की संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु तड़के सुबह सूर्य उदय के दर्शन हेतु सोनमुड़ा पहुंचेंगे, लेकिन अंधेरे मार्गों पर चलना उनके लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों का कहना है कि अंधेरे के कारण फिसलने, दुर्घटना होने या किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ऐसे में यदि कोई अप्रिय घटना घटती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह बड़ा प्रश्न बनकर सामने आ रहा है। पर्यटकों ने प्रशासन से मांग की है कि सोनमुड़ा सनराइज प्वाइंट सहित सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों के मार्गों पर शीघ्र स्थायी प्रकाश व्यवस्था की जाए, साथ ही नववर्ष एवं छुट्टियों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, गश्त और संकेतक बोर्डों की संख्या बढ़ाई जाए। अमरकंटक जैसे अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले तीर्थ स्थल में यदि बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी रही, तो यह न केवल पर्यटकों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगाएगा बल्कि पर्यटन की छवि को भी नुकसान पहुंचा सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाता है।

बाल विवाह निषेध को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में जिलेभर में बाल विवाह निषेध अधिनियम के अंतर्गत 100 दिवसीय विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सेक्टर बनगवां अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजनगर में बाल विवाह निषेध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते एवं महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती मंजूषा शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान कक्षा 6 वीं से 12वीं तक की छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा बाल विवाह निषेध कानून के तहत सजा के प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, सोशल मीडिया के समुचित उपयोग तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही 18 वर्ष से पूर्व विवाह न करने और केवल शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर छात्राओं को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, अभिभावक, सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पर्यवेक्षक बीनू द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह 100 दिवसीय जन-जागरूकता अभियान 28 नवंबर 2025 से 8 मार्च 2026 तक तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण (28 नवंबर से 31 दिसंबर) में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बच्चों को जागरूक किया जाएगा। द्वितीय चरण (1 जनवरी से 31 जनवरी) में विवाह से जुड़े सेवा प्रदाताओं को जागरूक किया जाएगा, जबकि तृतीय चरण (1 फरवरी से 8 मार्च) में समुदाय, ग्राम पंचायतों एवं नगर परिषद वार्डों पर विशेष फोकस किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज एवं अभिभावकों को बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक कर भारत को बाल विवाह मुक्त राष्ट्र बनाना।

जिम्मेदारियों से बच रहे सफाई कर्मी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर को साफ सुथरा रखने के लिए जहां अधिकारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं साफ सफाई पर हर माह लाखों खर्च कर रहे हैं, लेकिन उनकी मंशा पर सफाई कर्मचारी अपनी फिर से नजर आ रहे हैं। नगर पालिका के द्वारा नगर की गलियों की साफ सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है साथ ही कचरा संग्रहण के लिए वाहन भी लगाए गए हैं, लेकिन सफाई कर्मचारियों के द्वारा गलियों की साफ सफाई करने के बाद कचरे को एक जगह इकट्ठा कर उसमें आग लगा दी जाती है जिसके कारण आसपास के रहवासियों को कई प्रकार से परेशानी का सामना करना पड़ता है कचरे के धुएं से भी जहां श्वास जैसी बीमारी होने का अंदेशा बना रहता है, वही धुएं से उठने वाले दुर्गंध से कई प्रकार के घातक बीमारी भी होने का खतरा मंडरा रहा है। जबकि सफाई व्यवस्था की देखरेख के लिए दो सुपरवाइजर भी नियुक्त किए गए हैं और उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है कि वार्डों की साफ सफाई व्यवस्था की देखरेख एवं कचरा संग्रहण पर नजर रखना के लिए रखा गया है लेकिन सुपरवाइजर के द्वारा मोहल्ले में घूमने के लिए पूछा कि नहीं है कि साफ सफाई सफाई कर्मचारी के द्वारा की जा रही है। एक जगह इकट्ठे कचरे को कचरा संग्रहण वहां के द्वारा एकत्रित कर उठाया जा रहा है कि नहीं। देखरेख के अभाव में सफाई कर्मचारियों के हौसले बुलंद है और उनके द्वारा कचरे के ढेर में आग लगा दिया जाता है।

खबर संक्षेप

शिक्षा के मुख्यधारा से लाभान्वित कराने सरकार पूर्णतः तत्पर- विधायक जयसिंह

बुढार। शासकीय सांदीपनि विद्यालय बुढ़ार में वार्षिकोत्सव तथा कैरियर काउंसलिंग का आयोजन उत्साहमय किया गया और विद्यालयीन छात्रों ने वार्षिकोत्सव अवसर पर मनमोहक मंचीय प्रस्तुति दी, वहीं छात्रों के कैरियर काउंसलिंग पर विषय विशेषज्ञों ने विस्तार पूर्वक अवगत कराया। जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ में तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता एवं जिला सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, विकासखंड शिक्षाधिकारी डी.के. निगम, गीतानुरागी श्रीकांत शर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक-शिवेंद्र कुमार द्विवेदी, जिलाभाजपा उपाध्यक्ष राकेश पाण्डेय, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विश्नानी, पूर्व जिलाभाजपा महामंत्री दीपक शर्मा, पार्षद मोहन बैगा, पूर्व पार्षद मनोज जैन के विशिष्ट आतिथ्य में वार्षिकोत्सव एवं कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथ विधायक जयसिंह मरावी ने विद्यालयीन छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगमंचीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहाकि-विद्यालय के छात्र रुचि के अनुरूप अपना लक्ष्य बनाएं और उसी के अनुरूप लक्ष्य हासिल करने मेहनत करें, निश्चित ही सफलता अर्जित होगी। विधायक जयसिंह मरावी ने कहाकि-शिक्षा की मुख्यधारा से छात्रों को लाभान्वित कराने केंद्र एवं प्रदेश सरकार पूर्णतः तत्पर है, जिसके फलस्वरुप छात्र प्रदत्त सुविधाओं से लाभान्वित होकर अपना तथा अपने विद्यालय को गौरवान्वित करा रहे हैं।

मुख्यातिथ विधायक जयसिंह मरावी ने आश्वस्त कराया कि-सांदीपनि विद्यालय बुढ़ार में ही स्थापित रहे, जिस दिशा में भरसक प्रयास रहेगा। सांदीपनि विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेवा रानी पाण्डेय ने मुख्यातिथ, अध्यक्ष व अतिथियों का स्वागत करते हुये कहाकि-शासन एवं शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार छात्रों को शिक्षा का भरपूर लाभ अर्जित कराया जा रहा है, वहीं उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने सांस्कृतिक कार्यक्रम का यह आयोजन किया गया जिसमें अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से छात्रों का भरपूर उत्साह वर्धित किये जिसके प्रति विद्यालय आभारी है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने वार्षिकोत्सव अवसर पर छात्रो द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहाकि-शासकीय विद्यालयों में भी छात्रों की प्रतिभायें है, जिन्हें सवारने शिक्षकों का यह प्रयास सराहनीय है। श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि-छात्रों को अपने कैरियर के अनुरूप तत्पर रहने की आवश्यकता है, इस दिशा में विषय विशेषज्ञों ने भीड़ प्रेरित किया है जो उन्हें स्वर्णिम भविष्य की ओर निश्चित ही अग्रसर करेगा। विद्यालय के वार्षिकोत्सव अवसर पर छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिसकी अतिथियों व उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम अवसर पर पधारे अनेक विषय विशेषज्ञों ने कक्षा-12 वीं के उपरांत छात्रों को किस क्षेत्र में अपना कैरियर चयनित करना है, उन्हें विस्तार पूर्वक जानकारी हासिल करायी।

कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता सी.बी.शुक्ला तथा शिक्षक महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम को भव्यता दिलाने सांस्कृतिक प्रभारी-श्रीमती नाजिमा बेगम, अमित तिवारी, उप प्राचार्य व्ही.के. पयासी, शिक्षक-हरेराम सिंह,परितोष सोनी, संजीत पाण्डेय, इंद्रभान सिंह का सहयोग रहा वहीं इस अवसर पर डॉ. प्रगति त्रिपाठी, मिलन मार्को, निसार अली की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क में भरा रहता है पानी, जिम्मेदार नहीं देते ध्यान

विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बरकछ के कौशल प्रसाद रजक के घर के पास रजक मोहल्ले के पास बरकछ बराछ मार्ग में कई जानलेवा गड्ढे हैं वह गड्ढे अधिकारियों को दिखाई नहीं देते

ब्यौहारी शहडोल।

जहां पर घरों से निकलने वाला पानी भरा रहता है बिना बरसात के ही घुटने तक पानी से लोग पैदल और मोटरसाइकिल ऑटो से सफर कर रहे हैं सड़क की मरम्मत करने के लिए अधिकारियों को सूचित किया गया लेकिन अधिकारियों द्वारा टालमटोल किया जाता है प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनाई गई इस सड़क का मेंटेनेंस अधिकारियों द्वारा नहीं कराया जा रहा है वही घर घरों से निकलने वाला पानी गड्ढे में भरता है ग्राम पंचायत द्वारा विवाद की स्थिति निर्मित कर नाली को नहीं बनाया जा रहा है वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारी पंचायत पर आरोप लगा देते हैं जबकि गड्ढा पटना उनका काम गड्ढे में काम से कम गिट्टी तो बारवी ही जा सकती है लेकिन उनके द्वारा लगातार लापरवाही की जा रही है ग्राम वासियों ने कलेक्टर से सड़क की शीघ्र मरम्मत कराए जाने एवं नाली बनवाई जाने की मांग की है।

इनका कहना

इस गड्ढे को अधिकारियों द्वारा नहीं भर पाया जा रहा है प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के अधिकारियों को सूचित किया गया वह आए भी किनारे थोड़ा सा झाड़ी को साफ कर दिया लेकिन गड्ढे को नहीं भरवारा गया

मनोज चतुर्वेदी समाजसेवी ग्राम बरकछ

हम लोग यहां पर 5 घर के रजक परिवार हैं सड़क का पानी हमारे घरों में भरता है पंचायत द्वारा नाली नहीं बन पाया जा रहा है ना प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के अधिकारियों द्वारा गड्ढे को भरवाया जा रहा शीघ्र सड़क की मरम्मत कराई जाए एवं नाली निर्माण कराया जाए और नाली को आगे ले जाकर उसे नाले तक मिलाया जाए जिससे सड़क में पानी ना भरे

कौशल प्रसाद रजक ग्रामवासी

प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों की उपस्थित में श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्यौहारी की बैठक संम्पन्न

लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी अध्यक्ष तो महासचिव बने बीके तिवारी

ब्यौहारी

प्रदेश संगठन के अध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया के मार्गदर्शन मे आज ब्यौहारी मे मजबूत संगठन का गठन किया गया आज ब्यौहारी ब्लॉक के नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी की अध्यक्षता में पत्रकारों की एक बैठक हुई जिसमें संगठन के प्रान्तीय प्रभारी साथी मो.अली,प्रदेश कार्यकारणी सदस्य साथी दिनेश अग्रवाल जिला श्रमजीवी पत्रकार संघ शहडोल के अध्यक्ष साथीगजेन्द्र सिंह परिहार, महासचिव साथी अनुराग त्रिपाठी,की विशेष उपस्थिति रही । बैठक में संगठनात्मक चर्चा करने एवं प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया की उपस्थिति में संगठन का बड़ा कार्यक्रम करने पर गंभीरता पूर्वक विचार विनि मय हुआ । जिला अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह परिहार ने सभी की सहमति से ब्यौहारी ब्लॉक ईकाई के महासचिव पद पर साथी बी. के. तिवारी के नाम की घोषणा की एवं तीन नये पत्रकारों को ऑन लाइन सदस्यता फार्म भरने की सलाह दी । बैठक को साथी अलीसाहब,साथी दिनेश अग्रवाल साथी गजेन्द्र सिंह परिहार के अलावा साथी लक्ष्मीकांत चर्तुवेदी शत्रुघन चतुर्वेदी,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, ब्यौहारी डा. अशोक तिवारी पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष ब्यौहारी वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ अग्निहोत्री राजकुमार जयसिंहनगर ब्लॉक अध्यक्ष राकेश गुप्ता, गोहपारु ब्लॉक अध्यक्ष ,राजेश यादव बिष्णूदास बैस शिवकुमार गुप्ता शेख रब्बानी सुभाष त्रिपाठी सूर्यभान यादव विनोद तिवारी विनय द्विवेदी विकाश यादव श्री निवास मिश्रा राकेश पाण्डेय अरविंद पटेल राजकुमार पटेल मो0 फाकिर चाद सहित अनेक पत्रकार साथियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।बैठक के अंत में संभागीय महासचिव साथी कृष्णा तिवारी की माता जी एवं दैनिक समय के संपादक चन्द्रशेखर त्रिपाठी के निधन पर शोक-श्रृद्धांजलि व्यक्त की गई।

सुंदी बाई स्कूल के बसों में ठूस कर भरे जा रहे बच्चे

ब्यौहारी।

नगर के अंतर्गत संचालित निजी स्कूल सुंदीबाई केसरवानी हाई स्कूल की में संचालित बसों में बच्चों को भेंड बकरियों की तरह भरा जा रहा है स्कूल में ग्रामीण क्षेत्र से बच्चों को बसों से लाया जाता है लेकिन बसों में इतनी ज्यादा भीड़ रहती है कि बच्चों को बैठने तो क्या खड़े होने की भी सही ढंग से जगह नहीं मिल पाती बच्चे एक दूसरे के ऊपर गिरते रहते हैं अभिभावकों के अनुसार जो स्कूल की साखी की ओर जाने वाली बस काफी भरी रहती है आधे बच्चों को बैठने के लिए सीट नहीं मिल पाती बच्चों को घर से स्कूल तक खड़े होकर ही सफर करना पड़ता है स्कूल प्रबंधन को साखी एरिया में दो बस चलाना चाहिए जिससे बच्चों को पर्याप्त बैठने के लिए जगह मिल सके स्कूल प्रबंधन यह जानता है कि इस एरिया में काफी भीड़ रहती है लेकिन फिर भी दो बस नहीं चल रहा है अभिभावकों ने मांग भी की लेकिन उनकी मांग को अनसुना किया जा रहा है यदि 2 बस नहीं चलाई गई तो नहीं तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है अभिभावकों ने कलेक्टर से स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

बढ़ती ठंड में युवा टीम ने 50 जरूरतमंद बुजुर्ग व वृद्ध महिलाओं को बांटे कंबल

बिरसिहपुर पाली उमरिया बढ़ती ठंड में जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा जिले के सटे हुए बस्तियों में चिन्हित कर जरूरतमंद 50 बुजुर्ग व वृद्ध महिलाओं को गर्म कंबल का वितरण किया गया। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहाँ की बढ़ती ठंड के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। खासकर गरीब लोग जो अभाव के कारण गर्म कपड़े खरीद पाने में असमर्थ हैं। उन जरूरतमंद लोगों के बीच में नगर के लोगों के सहयोग से कंबल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों जरूरतमंदों परिवारों को चिन्हित कर रहे है, जिनके बीच कंबल वितरण किया जा रहा है।ऐसे कठिन मौसम में सबसे ज्यादा उन लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । जिनके पास पहनने और न ओढ़ने के लिए पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े नहीं हैं। कंबल पाकर गरीबों के चेहरे पर खुशी चमकने लगी। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। सर्दी से गरीब असहाय लोगों की हर व्यक्ति को मदद करनी चाहिए। इस काम के लिए हर किसी को आगे आना चाहिए एवं समाज के अन्य लोगो को भी इसका अनुसरण कर गरीब तथा असहाय लोगों की मदद में आगे आना चाहिए ।इस दौरान हिमांशु तिवारी,रूही गुप्ता,दीप्ति सिंह,अभिनव द्विवेदी, राघवेंद्र सिंह , एवं सभी उपस्थित रहे।

करोड़ों बहे, फिर भी सूखा गला! धनपुरी में 27 करोड़ की पेयजल योजना फेल कई वार्डों में पाइप लाइन अधूरी, 400 TDS पानी पीने को मजबूर नागरिक

धनपुरी।

मुख्यमंत्री पेयजल अधोसंरचना योजना के तहत धनपुरी नगर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पहले 17 करोड़ और बाद में 10 करोड़ रुपये, कुल लगभग 27 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। उद्देश्य था कि नगर के हर वार्ड तक शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचे, लेकिन हकीकत यह है कि एक दशक बीतने के बाद भी यह योजना जमीन पर पूरी तरह उतर नहीं सकी।योजना के अंतर्गत 28 वार्डों में पाइपलाइन विस्तार, 6 वार्डों में ओवरहेड टैंक, वार्ड क्रमांक 20 में फिल्टर प्लांट व 4 सम्प तथा अन्य वार्डों में ओवर टैंक निर्माण का दावा किया गया। इसके बावजूद नगर के कई वार्डों में आज तक नई पाइपलाइन का विस्तार कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब पाइपलाइन ही अधूरी है, तो शुद्ध पेयजल का सपना आखिर कैसे साकार होगा?नगरवासियों का कहना है कि कई इलाकों में पुरानी, जर्जर और लीकेज वाली पाइपलाइनों से ही जल आपूर्ति की जा रही है, जिससे शुद्ध पानी भी दूषित होकर घरों तक पहुंच रहा है। यही कारण है कि वार्डवासी लगभग 400 टीडीएस (TDS) वाला पानी पीने को मजबूर हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है।वार्ड क्रमांक 22 की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक बताई जा रही है। यहां के निवासी विजय, सफीक, माजिद, साकिर, जाकिर, जीवन, रतन, लतीफ, गुड्डा, लल्लू सहित अन्य लोगों ने बताया कि दूषित और अधिक टीडीएस वाले पानी को लेकर नगरपालिका के जल प्रभारी और सभापति को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। जमीनी स्तर पर आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। दूषित पानी के चलते आदिवासी परिवारों सहित कई नागरिक पेट, त्वचा और अन्य जलजनित बीमारियों से पीड़ित हैं।एक ओर नगर पालिका द्वारा जलकर वसूली में सख्ती बरती जा रही है। जलकर नहीं चुकाने वाले उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन काटे जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना नगर पालिका की बुनियादी जिम्मेदारी होने के बावजूद उपेक्षित है। नागरिकों का सवाल है कि जब कई वार्डों में नई पाइपलाइन ही पूरी नहीं हुई और पानी 400 टीडीएस का आ रहा है, तो जलकर की वसूली किस आधार पर की जा रही है?प्रधानमंत्री की जल जीवन मिशन – हर घर जल योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ नल जल पहुंचाना है, लेकिन धनपुरी में यह योजना अधूरी पाइपलाइन, अधूरे कार्य और प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ती दिख रही है। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित जनप्रतिनिधि कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं, जबकि आम नागरिक शुद्ध पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।दस साल से नगरवासी शुद्ध पेयजल का सपना देख रहे हैं, लेकिन न तो पाइपलाइन पूरी हो रही है और न ही दूषित पानी से निजात मिल रही है।अब सवाल यह है कि—क्या अधूरी पाइपलाइन का कार्य जल्द पूरा होगा?क्या 27 करोड़ रुपये की योजनाओं की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी? और कब मिलेगा धनपुरी को उसका हक—शुद्ध, सुरक्षित और पीने योग्य पानी?नगरवासी आज भी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शायद प्रशासन जागे और शुद्ध पेयजल का यह लंबित सपना कभी तो हकीकत बने।

नौरोजाबाद से पाली ला रहा था बीयर पुलिस ने 36 नग के साथ युवक को पकड़ा

बिरसिहपुर पाली उमरिया

पाली थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने एक करते हुए बीयर के साथ एक युवक को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 36 नग बीयर जब्त की है और आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान अनिल सिंह राजपूत, पिता हरि सिंह राजपूत के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 ए के तहत कार्रवाई की जा रही है। जब्त की गई बीयर को विधिवत सील कर थाने में सुरक्षित रखा गया है।पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक नौरोजाबाद की ओर से बीयर लेकर पाली की तरफ आ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी के निर्देशन में पुलिस टीम ने घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध युवक पाली की ओर पहुंचा, पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 36 नग बीयर बरामद की गई।प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी कोई वैध दस्तावेज या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद उसे मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि बीयर किस उद्देश्य से लाई जा रही थी और इसके पीछे किसी संगठित अवैध शराब नेटवर्क की भूमिका तो नहीं है।पाली पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है। थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब बिक्री में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

दिनदहाड़े जेसीबी से लोडिंग प्रशासन मौन, विपक्ष फोटो-वीडियो तक सीमित

अमलाई थाना क्षेत्र में खुलेआम अवैध कोयला

अमलाई।

अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बटुरा में कोयले का अवैध उत्खनन खुलेआम जारी है। हैरानी की बात यह है कि यह गोरखधंधा अब रात के अंधेरे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दिनदहाड़े जेसीबी मशीनों से ट्रकों में अवैध कोयला लोड किया जा रहा है। यह पूरा अवैध कारोबार बटुरा सोन नदी पुल के आसपास के क्षेत्र में धड़ल्ले से संचालित हो रहा है, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, भारी मशीनों की आवाज, कोयला ढोते ट्रकों की आवाजाही और धूल के गुबार से पूरा इलाका प्रभावित है, लेकिन इसके बावजूद न तो खनिज विभाग की कोई कार्रवाई दिखाई दे रही है और न ही पुलिस-प्रशासन की सक्रियता। ऐसा प्रतीत होता है मानो अवैध उत्खनन करने वालों को किसी तरह का संरक्षण प्राप्त है।गौरतलब है कि बीते माह कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अवैध उत्खनन स्थलों पर पहुंचकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया था। उस दौरान जमकर बयानबाजी हुई, फोटो और वीडियो बनाए गए और मीडिया में मामले को उछालने की कोशिश भी की गई। लेकिन उसके बाद न तो कोई ठोस आंदोलन हुआ और न ही अवैध उत्खनन को रोकने के लिए दबाव बनाया गया। नतीजतन आज भी वही हालात बने हुए हैं।इस पूरे मामले में एक ओर जहां जिला प्रशासन की चुप्पी संदेह के घेरे में है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध को लेकर आमजन में यह चर्चा है कि विपक्ष सिर्फ फोटो और वीडियो बनाने तक ही सीमित रह गया, जबकि जमीन पर अवैध उत्खनन रोकने के लिए न कोई निर्णायक कदम उठाया गया और न ही सतत आंदोलन किया गया।सोन नदी जैसे संवेदनशील क्षेत्र के आसपास अवैध खनन से पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। नदी तटों का कटाव, जलस्तर पर असर और भविष्य में बाढ़ जैसी समस्याओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे हैं।अब सवाल यह है कि आखिर कब जागेगा जिला प्रशासन? क्या अवैध कोयला उत्खनन पर कोई ठोस कार्रवाई होगी या फिर यह कारोबार यूं ही प्रशासन और विपक्ष की चुप्पी के बीच फलता-फूलता रहेगा? क्षेत्र की जनता अब सिर्फ बयानों और तस्वीरों नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की मांग कर रही है।

बस स्टैंड में सुलभ कॉम्प्लेक्स बंद होने से जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शहर के सबसे व्यस्त सार्वजनिक स्थल अनूपपुर बस स्टैंड में स्थित सुलभ शौचालय कॉम्प्लेक्स का प्रातःकाल से बंद रहना प्रशासनिक लापरवाही और गैर-जिम्मेदार व्यवस्था का जीता-जागता उदाहरण बन गया। हजारों यात्रियों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को दिनभर भारी असुविधा झेलनी पड़ी, लेकिन नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी ने जनता को निराश कर दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि बस स्टैंड जैसे अति महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल पर यदि सुलभ कॉम्प्लेक्स बंद रहता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है। क्या ठेकेदार मनमाने तरीके से जनसुविधाएं बंद कर सकता है। यदि नहीं, तो अब तक उसके विरुद्ध कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सुलभ कॉम्प्लेक्स के ठेकेदार की लापरवाही एवं जिद के चलते यह स्थिति बनी, लेकिन इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह रहा कि नगर पालिका अनूपपुर का प्रशासनिक अमला और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि पूरे घटनाक्रम में उदासीन दिखाई दिए। न तो वैकल्पिक व्यवस्था की गई, न ही मौके पर कोई अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचा। यह स्थिति स्वच्छ भारत मिशन, नगर पालिका की कार्यप्रणाली और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर सीधा प्रश्न खड़ा करती है। क्या आम जनता की गरिमा, सुविधा और स्वास्थ्य का कोई मूल्य नहीं है। क्या प्रशासन केवल कागजी योजनाओं और फोटो सेशन तक सीमित रह गया है। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का स्पष्ट कहना है कि यदि शीघ्र ही सुलभ कॉम्प्लेक्स का नियमित संचालन सुनिश्चित नहीं किया गया और लापरवाह ठेकेदार पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अब देखने वाली बात यह होगी कि नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर जनसमस्या पर कब जागते हैं, या फिर जनता की पीड़ा यूँ ही नजरअंदाज होती रहेगी।

नये साल को वेलकम करने युवा बना रहे प्लानिंग

नये साल का बेसब्री से इंतजार, गिफ्ट आईटम से बाजार गुलजार

अमरकंटक में रहेगा लोगों का जमघट, पहुंचने लगे पर्यटक

पैरासेलिंग, हाट एयर बैलून से अमरकंटक का सौन्दर्य निहारने का मिलेगा मौका

पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा सेवा का भी उठा सकेंगे लाभ

नए साल को खास बनाने के लिए लोगों ने तैयारी शुरू कर दी है। नए साल के नये दिन को हर वर्ग के लोग अपने-अपने अंदाज में मनाने की तैयारी में है। इन दिनों दोस्तों व अपने खास लोगों को उपहार देने के लिए खरीदारी लोग कर रहे हैं। उसी के अनुरूप बाजार भी एक से बढ़कर एक उपहार सामग्रियों से सज गए हैं। बाजार में केक, डायरी व कार्ड की जगह आजकल मोबाइल व्हाट्सएप का उपयोग लोगो ने शुरू कर दिया है। लोग नए साल के जश्न में पार्टी करने की तैयारी में हैं। देशभर में मशहूर जिले के धार्मिक व पर्यटक नगरी अमरकंटक लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। नए वर्ष का सेलीब्रेशन मनाने यहां बड़ी संख्या मे लोग पहुंच रहे है। जिसके चलते यहां ठंड के बावजूद चहल-पहल बढ़ गई है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नए साल के मौके पर अपने दोस्तों और परिचितों को उपहार देकर खास होने का एहसास कराने युवा वर्ग तैयारी में जुट गया है। इसी को ध्यान में रखकर वे उपहारों की खरीदारी कर रहे हैं। इससे बाजार में रौनक छाई हुई है। नए साल की खुशियों में चॉकलेट की मिठास भी घुलेगी। बाजार में चॉकलेट के गिफ्ट पैक रखे गए है। इसी तरह टैडी बियर, मिठाई के पैकेट, ड्राय फ्रूट पैक के साथ ही म्यूजिकल आइटम्स की मांग बनी हुई है। केक के बिना नए साल का जश्न अधूरा होता है। बाजार में चॉकलेट और वनीला केक सहित विभिन्न आकार-प्रकार के केक दुकानदार बिक्री हेतु रखे हुए है।

उपहार व न्यू ईयर केक से सजने लगा बाजार

नए साल में उपहार देने के लिए उपहार ज्यादा पसंद की जाती हैं और लोग भी उन्हें रखना पसंद करते हैं। लिहाजा इनकी मांग बढ़ गई है। हालांकि नया साल आने मे अभी तीन दिन बाकी है, लेकिन बाजार में अभी से एक से बढ़कर एक डिजाइन से सजे उपहार व न्यू ईयर केक उपलब्ध हैं, वही न्यू ईयर को वेलकम करने के लिए टीनएजर्स शहर से बाहर जश्न मनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। युवाओं का ग्रुप कहां जाना है, इसकी योजना बना रहा है तो सैकड़ों लोग हिल स्टेशनों के लिए निकल चुके हैं।

अमरकंटक में रहेगा जमघट

मुख्यालय से करीब 65 किमी दूर पहाड़ी रास्ते व जंगल के बीच रास्ते से अमरकंटक महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है जहां नर्मदा नदी के उद्गम स्थान होने और पहाड़ व घने पेड़ों की वादियों में बसे इस सुंदर नगर लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। यहां जिला सहित विभिन्न प्रांतों से लोग आ रहे है। नए वर्ष में यहां भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। हालांकि यहां अभी से बड़ी तादाद मे लोग पहुंच चुके हैं। यहां तक कि अमरकंटक मे होटल, आश्रमों के कमरे फुल चल रहे हैं। पर्यटकों को यहां के मठ मंदिर, प्राचीन कला कृति सहित कपिलधारा, दूधधारा, माई की बगिया, जैन मंदिर, नर्मदा कुंड मंदिर, श्री ज्वालेश्वर महादेव, सर्वोदय जैन मंदिर, सोनमुदा, कबीर चबूतरा कलचुरी काल के मंदिर, सनप्वाइंट जैसे कई दर्शनीय स्थल हैं।

इसलिए पसंद है अमरकंटक

अमरकंटक ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच बसी सुंदर-सी जगह है। यह खुद काफी ऊंचाई पर है प्रकृति की तमाम संपदाओं से युक्त। यहां खदानें भी हैं और जलप्रपात भी। जल के अदृश्य स्रोत भी और सुंदर आश्रम व मंदिर भी। अब यहां नए-नए मंदिर और बन गए हैं। पहाड़ों के अदृश्य स्रोतों से नर्मदा और सोन का निकलना किसी अचरज से कम नहीं लगता है। वैसे, यहां एक और नदी भी निकलती है, उसका नाम जोहिला है। कुछ लोग जब यहां आते हैं और इन नदियों के उद्गम में जल की हल्की- फुल्की कुलबुलाहट के बीच इन्हें देखते हैं तो एक बारगी सोच नहीं पाते कि ये वो नदियां हैं, जो हजारों किमी का सफर तय करती हैं। सोनमुदा नर्मदाकुंड से 1.5 किमी. की दूरी पर मैकल पहाड़ियों के किनारे पर है। सोन नदी 100 फीट ऊंची पहाड़ी से एक झरने के रूप में यहां से गिरती है।

सुखद अनुभव देने प्रारंभ हुई कई गतिविधियां

अमरकंटक में पर्यटन गतिविधि को बढ़ाने पिछले वर्ष जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा निर्देशन में विविध साहसिक गतिविधियाँ प्रारंभ की गई है। अमरकंटक स्थित मैकल पार्क व मेला ग्राउण्ड में एडवेंचर गतिविधि प्रारंभ कर दी गई है, जिसका लाभ अमरकंटक में आने वाले पर्यटकों को मिलेगा। साथ ही अमरकंटक के मार्केट भी समृद्ध होंगे। अमरकंटक आने वाले पर्यटक भी अच्छा-खासा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। धार्मिक व आध्यात्मिकता का अनुभव करने आने वाले लोगों के लिए एडवेंचर का रोचक अनुभव भी पर्यटकों को अमरकंटक में प्राप्त होगा। यहां बनजी जंपिंग, हाट एयर वैलून, एटीवी वाहक, रोलर कोस्टर, मिकी माउस, पैरासेलिंग सहित लगभग 16 विविध साहसिक गतिविधि आयोजित किए जाने की शुरूआत हो चुकी है। अमरकंटक आकर पर्यटकों को जीवन भर के लिए यादगार पल मिलेंगे। यहां पैरासेलिंग व हाट एयर वैलून कर हवा में उड़ते हुए पूरी घाटी और नीचे के नजारे की खूबसूरती देख सकेंगे।

हेली पर्यटन सेवा से निहार सकेंगे अमरकंटक

इसी साल के नवंबर माह के अंतिम सप्ताह मे पवित्र नगरी अमरकंटक में पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा प्रारंभ होने से अमरकंटक के धार्मिक व पर्यटन महत्व के साथ-साथ यहां के नैसर्गिक व प्रकृति का आनंद देश और विदेश के नागरिकों को सहज रूप से प्राप्त होगा। हेली पर्यटन सेवा से अमरकंटक को नई उड़ान मिल सकेगी, वही अमरकंटक के साथ ही बांधवगढ़ व जबलपुर की यात्रा सरल व सहज होगी। हेली पर्यटन सेवा से दिव्यांग व शारीरिक रूप से दिक्कत वाले लोगों को भी अमरकंटक के आध्यात्मिक व पर्यटन का लाभ सुलभता से प्राप्त होगा। ज्ञात हो कि पिछले 5 सालों में अमरकंटक में धार्मिक व पर्यटन के क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य हुए हैं।

पुलिस पर हमले का एक और फरार आरोपी धराया

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

सहायक उपनिरीक्षक महिपाल प्रजापति की ड्यूटी आरक्षक अतुल शर्मा के साथ मेडियारास में दुर्गा जी विसर्जन, रावण दहन हेतु लगायी गई थी जिस दौरान आरोपी रामरक्षा पटेल अपने साथी अनीश पटेल, प्रवीण सोनी, एवं अंकित साहू के साथ आकर ड्यूटी में तैनात सहायक उप निरीक्षक महिपाल प्रजापति के साथ बहसबाजी कर अपने साथियों के साथ सुरक्षा में तैनात महिपाल प्रजापति को शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए उनकी वर्दी फाड़ कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर हाथ मुक्का से मारपीट एवं प्रवीण सोनी द्वारा हाथ में पहने कड़ा से प्रजापति के सिर में मार कर चोट पहुंचाये थे। सहायक उप निरीक्षक महिपाल प्रजापति की रिपोर्ट पर उक्त चारों आरोपियों रामरक्षा पटेल, अनीश पटेल, प्रवीण सोनी एवं अंकित साहू के खिलाफ अपराध क्रमांक 262/25 धारा 296, 221,132,115 (2), 351(3), 3/5 बीएनएस एवं 3(1)द,ध, 3(2)(व्हीए) एससी एसटी एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। 24.12.2025 को व उसके पूर्व रामरक्षा पटेल पिता रामपदारथ उम्र 26 साल, प्रवीण सोनी पिता पुष्प मोहन सोनी उम्र 24 साल, अनीश पटेल तीनों निवासी मेडियारास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल अनूपपुर भेजा गया, मामले में फरार आरोपी अंकित उर्फ यादवेंद्र कुमार साहू पिता राम भुवन साहू उम्र 24 साल निवासी मेडियारास घटना दिनांक से फरार था जिसे भी मुखबिर की सूचना पर 27 दिसंबर को रामपुर खांड़ा से दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर वीर बाल दिवस का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

बीरबल दिवस के अवसर पर महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी सुश्री सीमा गंजू के निर्देशन में विशेष रूप से हरदा आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और अभिभावक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभकार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई, जिसमें बच्चों और महिलाओं ने वीर बाल दिवस के महत्व को लेकर नारे लगाते हुए मार्च निकाला। रैली के बाद आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन बच्चों में देशभक्ति और साहस की भावना जगाने के उद्देश्य से किया गया। विविध गतिविधियांबच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने वीर बाल दिवस के नायकों पर आधारित चित्र बनाए। इसके अलावा गीत, कविता पाठ, कहानी सुनाने और खेलकूद प्रतियोगिताओं का सफल संचालन हुआ, जिससे बच्चे उत्साहित नजर आए। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती दमयंती सिंह ने वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीलम पांडे, रीता यादव, प्रतिमा सिंह तथा सहायता समूह की महिलाओं ने सक्रिय सहयोग दिया। बच्चे, अभिभावक और हितग्राही सभी ने विचार व्यक्त कर आयोजन को सफल बनाया। सामाजिक संदेश उपस्थितजनों के बीच वीर बाल दिवस को लेकर जागरूकता फैलाई गई, जिसमें गुरु गोबिंद सिंह के साहसी सपूतों की कहानियां साझा की गईं। यह कार्यक्रम अनूपपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला बाल विकास और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद में जिला निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ

जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला का त्यागपत्र स्वीकार, जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी भंग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के तत्वावधान में 21 दिसंबर को कोतमा में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन के दौरान प्रांतीय चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कर आगामी दो वर्षों के लिए प्रांतीय कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की जा चुकी है। इसके पश्चात प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार अब जिला स्तर पर निर्वाचन कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में परिषद के जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला द्वारा अपने पद से स्वेच्छा से त्यागपत्र प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रदेश कमेटी द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। जिला अध्यक्ष का त्यागपत्र स्वीकार होते ही संगठनात्मक नियमों के अनुसार जिला एवं समस्त ब्लॉक कार्यकारिणी स्वतः भंग मानी जाएगी। हालांकि संगठनात्मक निरंतरता बनाए रखने एवं जिला निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अमित शुक्ला आगामी जिला निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। जिले में संपन्न होने वाली निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं निर्वाचन कार्यक्रम, प्रदेश निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार शीघ्र ही संगठन के अधिकृत ग्रुप एवं संचार माध्यमों के माध्यम से साझा किए जाएंगे। इस अवसर पर संगठन के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों से अपील की गई है कि वे सूचना को गंभीरता से संज्ञान में लें, संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखें, निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय एवं सकारात्मक सहयोग प्रदान करें तथा संगठन हित में संयम, एकता एवं मर्यादा का पालन करें। साथ ही यह भी आग्रह किया गया है कि संगठन को और अधिक सशक्त, प्रभावशाली एवं एकजुट बनाने के उद्देश्य से निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण गंभीरता के साथ सफल बनाने में अपना योगदान दें। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्रदेश सह-सचिव कमलेश मिश्रा को अनूपपुर जिले का जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके द्वारा जिले की संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया के संचालन हेतु सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एवं चुनावी व्यवस्थाओं के निर्धारण में जिला निर्वाचन अधिकारी पूर्णतः स्वतंत्र रहेंगे।

हाथियों के खौफ से ग्रामीणों ने पेड़ को बनाया रैन बसेरा

6 दिनों से धनगवां बीट के इलाके में ठहरे तीन हाथी

मकानो को तोड़ फसलों को बना रहे आहार

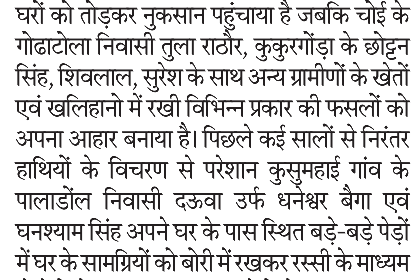

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 6 दिनों से निरंतर छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को एक बार फिर से पार करते हुए अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में आए तीन हाथियों के समूह द्वारा दिन के समय जंगल में बिताने बाद शाम एवं रात होते ही जंगल से लगे टोला मोहल्ला में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर खेत एवं बाडियों में लगे विभिन्न प्रकार की फसलों को अपना आहार बना रहे हैं वही जंगल में बसे दो आदिवासी परिवार अपनी संपत्ति बचाने के उद्देश्य घर के पास स्थित बड़े-बड़े पेड़ों में रस्सी के सहारे सामानों को टांग कर पेड़ में खाट रख रात बिताने को मजबूर हैं वन विभाग के द्वारा ग्रामीणों को हाथी से बचने की समझाइश दी है। विदित है कि तीन हाथियों को समूह 23 दिसंबर की दिन रात एक बार फिर से छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके को पार कर अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील, थाना एवं वन परिक्षेत्र के चोलना एवं धनगवां वन बीट से लगे जंगलों में दिन के समय विश्राम कर शाम एवं रात होते ही जंगल से लगे ग्राम पंचायत क्योटार के ग्राम कुसुमहाई के पालाडोंल, झंडीटोला, ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव अंतर्गत भलुवानटोला, ग्राम पंचायत कुकुरगोड़ा के बेल्हाटोला, कोषमटोला, सरईया टोला में पहुंचकर अब तक छः ग्रामीणों के कच्चे मकानो का नुकसान किया है जिसमें झण्डीटोला निवासी बाल सिंह पिता कुन्नालाल सिंह,चोई के खेरवाटोला निवासी अमृतिया पति कुंदन राठौर, पालाडोंल के चौरसिया बाई पति देवशाय बैगा, घनश्याम सिंह पिता चुन्नीलाल, कुकुरगोड़ा के झुमुकलाल, बल्कू कोल के घरों को तोड़कर नुकसान पहुंचाया है जबकि चोई के गोढाटोला निवासी तुला राठौर, कुकुरगोंड़ा के छोट्टन सिंह, शिवलाल, सुरेश के साथ अन्य ग्रामीणों के खेतों एवं खलिहानो में रखी विभिन्न प्रकार की फसलों को अपना आहार बनाया है। पिछले कई सालों से निरंतर हाथियों के विचरण से परेशान कुसुमहाई गांव के पालाडोंल निवासी दऊवा उर्फ धनेश्वर बैगा एवं घनश्याम सिंह अपने घर के पास स्थित बड़े-बड़े पेड़ों में घर के सामग्रियों को बोरी में रखकर रस्सी के माध्यम से पेड़ों में टांग, बांध कर तथा पेड़ों में खाट चढ़ा कर बांधकर रात-रात भर रहने को बाध्य है जबकि उनके परिवारों के महिलाओं सहित अन्य सदस्य देर शाम होते ही कुसुमहाई गांव के बीच बस्ती में जाकर पक्के मकानो में रह रहे हैं हाथियों के निरंतर विचरण पर वन विभाग द्वारा दो अलग-अलग तरह से गश्ती दल बनाकर ग्रामीणों की मदद से हाथियों के विचरण पर निरंतर नजर रख रहे हैं साथ ही ग्रामीणों को हाथियों के समूह से दूर रहने के साथ अन्य तरह से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं।

मातम में बदली जन्मदिन की खुशियां

जन्मदिन समारोह में हिसाब को लेकर कहासुनी, एक युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मानपुर में शनिवार की देर रात जन्मदिन की खुशियाँ उस समय चीखों और मातम मे बदल गईं, जब बर्थडे पार्टी में हुए मामूली विवाद ने अचानक विकराल रूप ले लिया। बर्थडे में खर्चे के हिसाब को लेकर शुरू हुई कहासुनी ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया और इसी बीच मंगेश चौधरी के रिश्तेदार कौशल चौधरी ने बीच-बचाव कर रहे कोमल चौधरी पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल कोमल जमीन पर गिर पड़ा, उनके कान से खून बहने लगा और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत और मातम का माहौल फैल गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने रातों-रात घटनास्थल पहुंचकर जांच शुरू की और हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह है मामला

जानकारी के अनुसार 27 दिसंबर की रात लगभग 9 बजे ग्राम मानपुर में महेंद्र चौधरी 18 के जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया था। पार्टी में शामिल करीब 20-25 लोगों ने केक काटकर जश्न मनाया। इसी दौरान मंगेश चौधरी तथा निलेश चौधरी के बीच बर्थडे खर्च के हिसाब को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर बीच-बचाव कर रहे दुर्गेश चौधरी को आरोपी कौशल चौधरी (40) ने थप्पड़ मार दिया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। रात लगभग 11 बजे दुर्गेश के पिता कोमल चौधरी (41) अपने बेटे को घर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में पहले से खड़ा कौशल चौधरी अचानक डंडे से कोमल पर तीन-चार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से कोमल वहीं गिर पड़ा और कान से रक्तस्राव होने लगा। घायल को तुरंत डायल-112 की सहायता से जिला चिकित्सालय अनूपपुर ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन सहित पुलिस टीम रात में ही घटनास्थल पहुंची एवं आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। सुबह एफएसएल टीम की उपस्थिति में पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। कोतवाली पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 558/25 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी कौशल चौधरी पिता दासु चौधरी निवासी मानपुर को गिरफ्तार कर लिया है।

जैतहरी के खोराबाबा जंगल में आयोजित हुआ अनुभूति कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। कोरोना काल के समय ऑक्सीजन की कमी के कारण पूरे देश ने प्रकृति एवं वन के महत्व को नजदीक से जाना उक्त उद्गार वन परिक्षेत्र जैतहरी के गढ़यिटोला बीट अंतर्गत खोराबाबा जंगल में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लपटा के विद्यार्थियों को अनुभूति कार्यक्रम में संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत मुंडा के सरपंच त्रिवेंद्र सिंह ने कहां उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जन्मदिन की अवसर पर पौधारोपण कर संदेश देने का आग्रह किया। इस दौरान अनुभूति कार्यक्रम के प्रेरक दिनेश कुमार शुक्ला, शशिधर अग्रवाल, राजू केवट, पूरन सिंह मरावी, कुंदन शर्मा, परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, अनूपपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह, गढ़यिटोला बीट के वनरक्षक नरेंद्र पटेल ने वन भ्रमण दौरान छत्तीसगढ़ की सीमा में बने बांध में संग्रहित पानी का महत्व के साथ विभिन्न तरह के पक्षियों का प्रत्यक्ष दर्शन कराया गया साथ ही अनुभूति कार्यक्रम के मुख्य के उद्देश्यों मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव, हम हैं धरती के दूत बाघ की तरह संवेदनशील होने के साथ वृक्षों द्वारा प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से किए जाते भोजन, विभिन्न तरह के पेड़ पौधों की प्रजाति जिसमें जंगल के बीच कूल्लू का पेड़,अर्जुन का पेड़ की पहचान एवं उनके औषधि गुणो की जानकारी के साथ जंगल में वर्षा काल दौरान मिट्टी के कटाव से बनते नाला एवं गड्ढों से होते नुकसान पर वन विभाग द्वारा चेक डैम स्टाफडैम बोरी बंधान जैसे कराए जाते कार्यों, वृक्षों में पक्षियों द्वारा बनाए जाते घोसला, वन क्षेत्र में सूखे पड़े पेड़ों का महत्व के साथ वन्यप्राणी बाघ, हाथी, भालू चीता पर खेल प्रतियोगिता एवं लिखित प्रतियोगिता के साथ वन,वन्यप्राणी,जैव विविधता से संबंधित मौखिक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया,बच्चों को विभिन्न प्रकारों के सांपों की पहचान सांपों से बचाव एवं सर्प दंश से पीड़ति व्यक्ति का तत्काल उपचार कराए जाने की बात कही गई। वन, वन्यप्राणियों, जैव विविधता एवं स्वच्छता पर सभी को शपथ दिलाते हुए भविष्य में इन्हें बचाए रखना संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम दौरान वन सुरक्षा समिति अध्यक्ष श्रीमती रोशनी राठौर, सदस्य श्रीमती किरण राठौर के साथ वन परिक्षेत्र जैतहरी के वन अधिकारी/कर्मचारियों के साथ विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका, सुरक्षा श्रमिक एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।